भारतीय रेड क्रास सोसायटी
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा
विषय– "किशोरावस्थाः विशेषतायें, समस्यायें एवं समाधान"
20 नवम्बर, 2024

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा की रेड क्रास इकाई द्वारा दिनांक 20 नवम्बर 2024 को मुख्य परिसर स्थित ललिता शास्त्री सभागार में रेड क्रास के स्वयंसेवकों हेतु एक वार्ता **"किशोरावस्थाः विशेषतायें, समस्यायें एवं समाधान"** विषय पर आयोजित की गई। वार्ताकार **पूजा यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा थीं।** इस वार्ता का उद्देश्य स्वयंसेवकों को मानव की इस अवस्था की विशेषतायें समझाना, इस अवस्था में उत्पन्न होने वाली समस्याओं की चर्चा करना तथा उनका समाधान प्रदान करना था।

उन्होंने कहा कि किशोरावस्था एक ऐसा समय है जब व्यक्ति जीवन के एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण चरण से गुजरता है। **इस सभागार में उपस्थित सभी स्वयंसेवक इसी अवस्था से गुजर रहे हैं, इसलिए यह वार्ता उनके लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है।** यह समय शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तनों से भरा हुआ होता है। वर्तमान समाज में किशोर–किशोरियों के लिए यह समय न केवल शारीरिक विकास का, बल्कि सामाजिक पहचान बनाने और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का भी है। इस दौरान किशोर–किशोरियां अपने व्यक्तित्व को पहचानने, समाज में अपनी जगह बनाने और जीवन के उद्देश्य को समझने की कोशिश करते हैं। यदि इस समय वे सजग न हुये तो उनका पूरा जीवन ही कष्टमय हो सकता है।

उन्होंने बताया कि किशोरावस्था की समस्याओं और समाधान पर नये शोध भी किये जा रहे हैं। उन्होंने इस पर नवीनतम आंकड़े प्रस्तुत करते हुये इस विषय पर गहनता से विचार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

इस वार्ता में यह भी प्रयास किया गया कि स्वयंसेवकों में सकारात्मक बदलाव आये, एक सहायक और प्रेरणादायक वातावरण तैयार हो ताकि वे अपने जीवन में एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों और एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण कर सकें।

इसके साथ ही वार्ता में एक पारस्परिक विचार–विमर्श का सत्र भी रखा गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। वार्ताकार पूजा यादव ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्रस्तुत किया।

इस वार्ता में प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर बी0पी0 सिंह, रेड क्रास प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल सहित रेड क्रास समिति के सदस्य डॉ0 शिशिर त्रिपाठी, डॉ0 पुनीत कुमार, डॉ0 ममता शुक्ला, डॉ0 हरीश शुक्ल व विद्यार्थी प्रतिनिधियों– बबिता आनन्द, नितेश तिवारी, सत्यम दुबे, शुभी, सोनिया साहू के अतिरिक्त बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

किशोरावस्था में होता है शारीरिक व मानसिक परिवर्तन

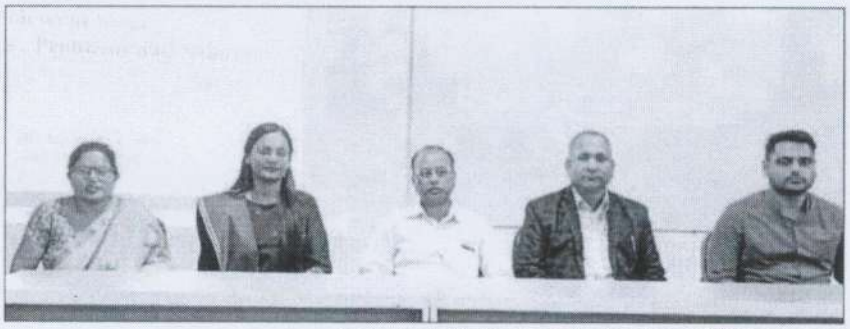

श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में वार्ता के दौरान मौजूद मुख्य अतिथि। फोटो : एसएनबी

गोण्डा (एसएनबी)। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा की रेड क्रास इकाई द्वारा बुधवार को मुख्य परिसर स्थित ललिता शास्त्री सभागार में रेड क्रास के स्वयंसेवकों के लिए एक वार्ता का आयोजन किया गया, जिसकी थीम किशोरावस्थाः विशेषतायें, समस्यायें एवं समाधान विषय पर रही। वार्ताकार पूजा यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज रहीं।

उन्होंने कहा कि किशोरावस्था का समय शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तनों से भरा हुआ होता है। इस दौरान किशोर-किशोरियां अपने व्यक्तित्व को पहचानने, समाज में अपनी जगह बनाने

> 'किशोरावस्था : विशेषताएं, समस्याएं एवं समाधान विषयक' वार्ता

और जीवन के उद्देश्य को समझने की कोशिश करते हैं। यदि इस समय वे सजग न हुये तो उनका पूरा जीवन ही कष्टमय हो सकता है। इसके साथ ही वार्ता में एक पारस्परिक विचार-विमर्श का सत्र भी रखा गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। वार्ताकार पूजा यादव ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्रस्तुत किया।

इस वार्ता में प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर बीपी सिंह, रेड क्रास प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल सहित रेड क्रास समिति के सदस्य डा शिशिर त्रिपाठी, डा पुनीत कुमार, डा ममता शुक्ला, डा हरीश शुक्ल व विद्यार्थी प्रतिनिधि बबिता आनन्द, नितेश तिवारी, सत्यम दुबे, शुभी, सोनिया साहू के अतिरिक्त बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

"रेड क्रास के स्वयंसेवकों हेतु एक वार्ता "किशोरावस्था: विशेषतायें, समस्यायें एवं समाधान" विषय पर आयोजित की गई

डॉ0कल्प राम त्रिपाठी

गोंडा। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा की रेड क्रास इकाई द्वारा दिनांक 20 नवम्बर 2024 को मुख्य परिसर स्थित ललिता शास्त्री सभागार में रेड क्रास के स्वयंसेवकों हेतु एक वार्ता "किशोरावस्था: विशेषतायें, समस्यायें एवं समाधान" विषय पर आयोजित की गई। वार्ताकार पूजा यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा थीं। इस वार्ता का उद्देश्य स्वयंसेवकों को मानव की इस अवस्था की विशेषतायें समझाना, इस अवस्था में उत्पन्न होने वाली समस्याओं की चर्चा करना तथा उनका समाधान प्रदान करना था।

उन्होंने कहा कि किशोरावस्था एक ऐसा समय है जब व्यक्ति जीवन के एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण चरण से गुजरता है। इस सभागार में उपस्थित सभी स्वयंसेवक इसी अवस्था से गुजर रहे हैं, इसलिए यह वार्ता उनके लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह समय शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तनों से भरा हुआ होता है। वर्तमान समाज में किशोर-किशोरियों के लिए यह समय न केवल शारीरिक विकास का, बल्कि सामाजिक पहचान बनाने और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का भी है। इस दौरान किशोर-किशोरियां अपने व्यक्तित्व को पहचानने, समाज में अपनी जगह बनाने और जीवन के उद्देश्य को समझने की कोशिश करते हैं। यदि इस समय वे सजग न हुये तो उनका पूरा जीवन ही कष्टमय हो सकता है।

उन्होंने बताया कि किशोरावस्था की समस्याओं और समाधान पर नये शोध भी किये जा रहे हैं। उन्होंने इस पर नवीनतम आंकड़े प्रस्तुत करते हुये इस विषय पर गहनता से विचार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस वार्ता में यह भी प्रयास किया गया कि स्वयंसेवकों में सकारात्मक बदलाव आये, एक सहायक और प्रेरणादायक वातावरण तैयार हो ताकि वे अपने जीवन में एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों और एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण कर सकें। इसके साथ ही वार्ता में एक पारस्परिक विचार-विमर्श का सत्र भी रखा गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। वार्ताकार पूजा यादव ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्रस्तुत किया। इस वार्ता में प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर बी0पी0 सिंह, रेड क्रास प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल सहित रेड क्रास समिति के सदस्य डॉ0 शिशिर त्रिपाठी, डॉ0 पुनीत कुमार, डॉ0 ममता शुक्ला, डॉ0 हरीश शुक्ल व विद्यार्थी प्रतिनिधियों- बबिता आनन्द, नितेश तिवारी, सत्यम दुबे, शुभी, सोनिया साहू के अतिरिक्त बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

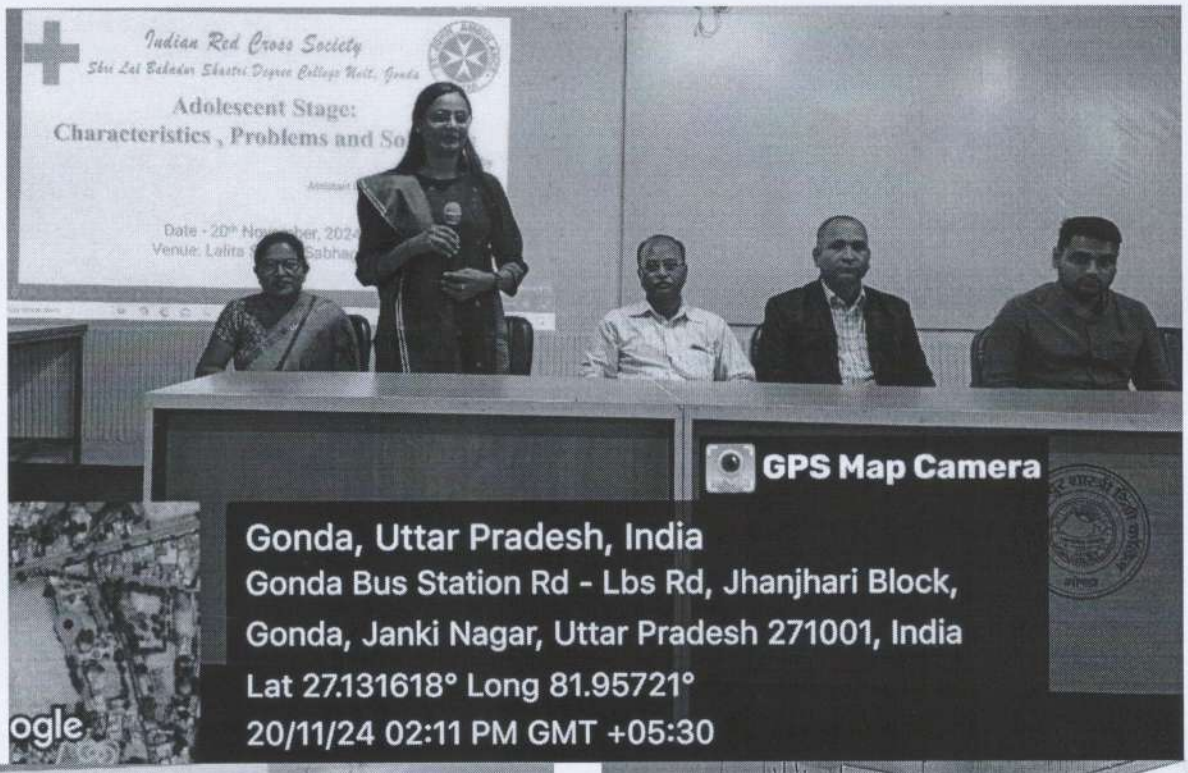
Indian Red Cross Society
Adolescent Stage:
Characteristics , Problems and So
GPS Map Camera
Gonda, Uttar Pradesh, India
Gonda Bus Station Rd - Lbs Rd, Jhanjhari Block,
Gonda, Janki Nagar, Uttar Pradesh 271001, India
Lat 27.131618° Long 81.95721°
20/11/24 02:11 PM GMT +05:30

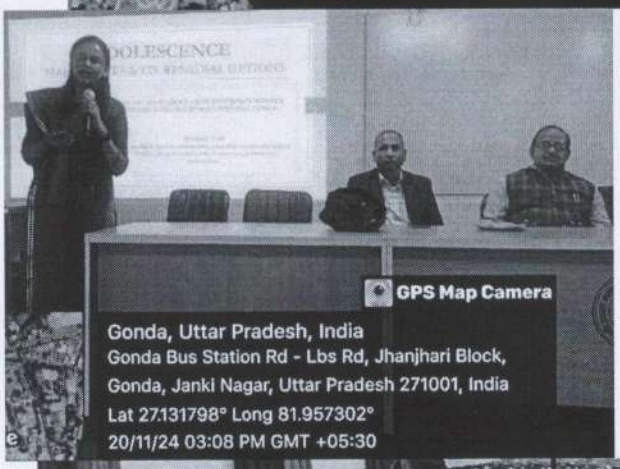
GPS Map Camera
Gonda, Uttar Pradesh, India
Gonda Bus Station Rd - Lbs Rd, Jhanjhari Block,
Gonda, Janki Nagar, Uttar Pradesh 271001, India
Lat 27.131798° Long 81.957302°
20/11/24 03:08 PM GMT +05:30

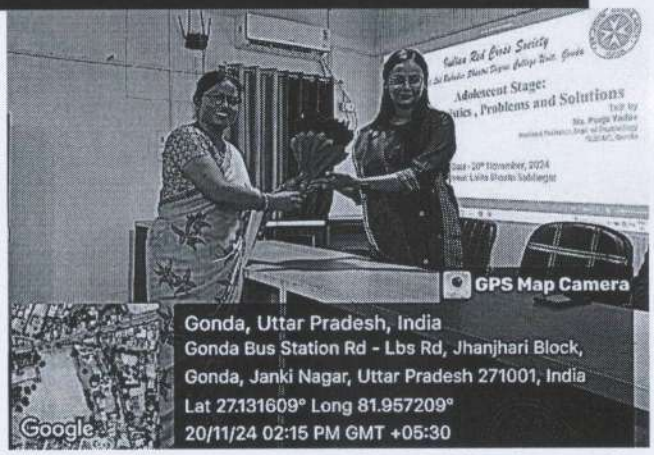
Adolescent Stage:
Problems and Solutions
GPS Map Camera
Gonda, Uttar Pradesh, India
Gonda Bus Station Rd - Lbs Rd, Jhanjhari Block,
Gonda, Janki Nagar, Uttar Pradesh 271001, India
Lat 27.131609° Long 81.957209°
20/11/24 02:15 PM GMT +05:30
Google

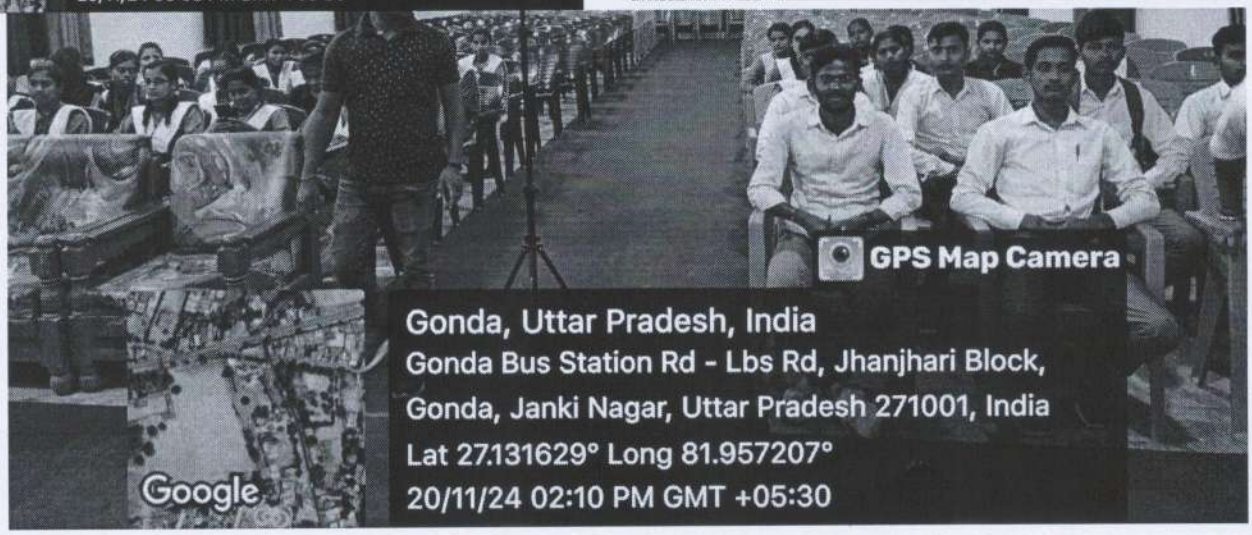
GPS Map Camera
Gonda, Uttar Pradesh, India
Gonda Bus Station Rd - Lbs Rd, Jhanjhari Block,
Gonda, Janki Nagar, Uttar Pradesh 271001, India
Lat 27.131629° Long 81.957207°
20/11/24 02:10 PM GMT +05:30
Google

एलबीएस डिग्री कॉलेज में युवाओं के लिए वार्ता का आयोजन

लोहिया क्रान्ति । संवाददाता

गोंडा बलरामपुर । जनपद गोंडा जिला मुख्यालय के श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा की रेड क्रास इकाई द्वारा 20 नवम्बर को मुख्य परिसर स्थित ललिता शास्त्री सभागार में रेड क्रास के स्वयंसेवकों हेतु एक वार्ता ''किशोरावस्था विशेषताएं, समस्याएं एवं समाधान'' विषय पर आयोजित की गई। जानकारी के अनुसार 20 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में वार्ताकार पूजा यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा थी। इस वार्ता का उद्देश्य स्वयंसेवकों को मानव की इस अवस्था की विशेषताएं समझाना, इस अवस्था में उत्पन्न होने वाली समस्याओं की चर्चा करना तथा उनका समाधान प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था एक ऐसा समय है जब व्यक्ति जीवन के एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण चरण से गुजरता है। इस सभागार में उपस्थित सभी स्वयंसेवक इसी अवस्था से गुजर रहे हैं, इसलिए यह वार्ता उनके लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह समय शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तनों से भरा हुआ होता है। वर्तमान समाज में किशोर-किशोरियों के लिए यह समय न केवल शारीरिक विकास का, बल्कि सामाजिक पहचान बनाने और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का भी है। इस दौरान किशोर-किशोरियां अपने व्यक्तित्व को पहचानने, समाज में अपनी जगह बनाने और जीवन के उद्देश्य को समझने की कोशिश करते हैं। यदि इस समय वे सजग न हुये तो उनका पूरा जीवन ही कष्टमय हो सकता है।

उन्होंने बताया कि किशोरावस्था की समस्याओं और समाधान पर नये शोध भी किये जा रहे हैं। उन्होंने इस पर नवीनतम आंकड़े प्रस्तुत करते हुये इस विषय पर गहनता से विचार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस वार्ता में यह भी प्रयास किया गया कि स्वयंसेवकों में सकारात्मक बदलाव आये, एक सहायक और प्रेरणादायक वातावरण तैयार हो ताकि वे अपने जीवन में एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों और एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण कर सकें। इसके साथ ही वार्ता में एक पारस्परिक विचार-विमर्श का सत्र भी रखा गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। वार्ताकार पूजा यादव ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्रस्तुत किया। इस वार्ता में प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर बी०पी० सिंह, रेड क्रास प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल सहित रेड क्रास समिति के सदस्य डॉ० शिशिर त्रिपाठी, डॉ० पुनीत कुमार, डॉ० ममता शुक्ला, डॉ० हरीश शुक्ल व विद्यार्थी प्रतिनिधियों- बबिता आनन्द, नितेश तिवारी, सत्यम दुबे, शुभी, सोनिया साहू के अतिरिक्त बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

समस्यायें एवं समाधान विषय पर आयोजित हुवा कार्यक्रम

केपीपीएन डॉ०कल्प राम त्रिपाठी

श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा की रेड क्रास इकाई द्वारा दिनांक 20 नवम्बर 2024 को मुख्य परिसर स्थित ललिता शास्त्री सभागार में रेड क्रास के स्वयंसेवकों हेतु एक वार्ता 'किशोरावस्था विशेषतायें, समस्यायें एवं समाधान विषय पर आयोजित की गई। वार्ताकार पूजा यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज, गोण्डा थीं। इस वार्ता का उद्देश्य स्वयंसेवकों को मानव की इस अवस्था की विशेषतायें समझाना, इस अवस्था में उत्पन्न होने वाली समस्याओं की चर्चा करना तथा उनका समाधान प्रदान करना था। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था एक ऐसा समय है जब व्यक्ति जीवन के एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण चरण से गुजरता है। इस सभागार में उपस्थित सभी स्वयंसेवक इसी अवस्था से गुजर रहे हैं, इसलिए यह वार्ता उनके लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह समय शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तनों से भरा हुआ होता है। वर्तमान समाज में किशोर–किशोरियों के लिए यह समय न केवल शारीरिक विकास का, बल्कि सामाजिक पहचान बनाने और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का भी है। इस दौरान किशोर–किशोरियां अपने व्यक्तित्व को पहचानने, समाज में अपनी जगह बनाने और जीवन के उद्देश्य को समझने की कोशिश करते हैं। यदि इस समय वे सजग न हुये तो उनका पूरा जीवन ही कष्टमय हो सकता है।उन्होंने बताया कि किशोरावस्था की समस्याओं और समाधान पर नये शोध भी किये जा रहे हैं। उन्होंने इस पर नवीनतम आंकड़े प्रस्तुत करते हुये इस विषय पर गहनता से विचार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।इस वार्ता में यह भी प्रयास किया गया कि स्वयंसेवकों में सकारात्मक बदलाव आये, एक सहायक और प्रेरणादायक वातावरण तैयार हो ताकि वे अपने जीवन में एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हों और एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण कर सकें।इसके साथ ही वार्ता में एक पारस्परिक विचार–विमर्श का सत्र भी रखा गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने अपनी समस्याओं और अनुभवों को साझा किया। वार्ताकार पूजा यादव ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्रस्तुत किया। इस वार्ता में प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर बी०पी० सिंह, रेड क्रास प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल सहित रेड क्रास समिति के सदस्य डॉ० शिशिर त्रिपाठी, डॉ० पुनीत कुमार, डॉ० ममता शुक्ला, डॉ० हरीश शुक्ल व विद्यार्थी प्रतिनिधियों– बबिता आनन्द, नितेश तिवारी, सत्यम दुबे, शुभी, सोनिया साहू के अतिरिक्त बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित थे।

23/11/24

R.K. Prasad
20.11.2024